"मूल्याङ्कनार्थ संस्तुति-पत्र"

प्रमाणित किया जाता है कि अनुसन्धात्री 'श्रीमती प्रतिभा उपाध्याय' नें**"महाकवि बाणभट्ट प्रणीत पार्वती परिणयम् एक समालोचनात्मक अध्ययन'** शोध विषय पर हमारे निर्देशन में नियमित रूप से उपस्थित रहकर वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्व विद्यालय जौनपुर के नियमों के अन्तर्गत यह मौलिक शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया है।

अध्ययन सौविध्य एवं विषयोपस्थान की दृष्टि से अनसन्धात्री द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को आठ अध्यायों में विभक्त किया गया है। प्रथम अध्याय में **'नाटककार का इतिवृत्त–व्यक्तित्व एवं कृतित्व** विवेचित है। द्वितीय अध्याय मे **'भारतीय नाट्यकला का अनुशीलन है।'** इस अध्याय में भारतीय मनीषा के सर्व स्वीकृत कतिपय उन सिद्धान्तों तथा आधारभूत तत्वों का दिग्दर्शन प्रस्तुत किया गया है, जिनके परिप्रेक्ष में किसी नाट्य कलाकृति की समीक्षा प्रस्तुत की जाती है। अग्रिम छःअध्याय क्रमशः **पार्वती परिणयम् का "वस्तु संविधान", "पात्र–पर्यालोचन या चरित्र–विधान, रस विमर्श, भाषा शैली, काव्य–सौन्दर्य तथा व्युत्पत्ति–विमर्श है"** इन अध्यायों में अनुसन्धात्री द्वारा भारतीय मनीषा के सैद्धान्ति पक्ष को प्रस्तुत करके उसके सन्दर्भ में पार्वती परिणयम् के वस्तु,पात्र,रस,भाषा–शैली, काव्य सौन्दर्य, तथा व्युत्पत्ति का सम्यक् विवेचन प्रस्तुत किया गया है। अन्त में **"उपसंहार या सारांश'** में पूर्व अध्यायों में विवेचित विषयों का समाहार प्रस्तुत करते हुए नाटककार बाणभट्ट की नाट्य कला को दिग्दर्शित किया गया है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध अनुसन्धात्री का नितान्त मौलिक अध्ययन है। हम प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के मूल्याङ्कन की संस्तुति प्रदान करते हैं।

निर्देशक

(डॉ0 स्वामी नाथ गुप्त)

विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग

डी0ए0वी0स्नातकोत्तर महाविद्यालय आजमगढ़

निर्देशिका

(डॉ0 श्रीमती शारदा सिंह)

पूर्व प्राचार्या

अग्रसेन महिला महाविद्यालय आजमगढ़

(डॉ0 श्रीमती माधुरी सिंह)

विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग

अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़

(डॉ0 श्रीमती तजवीन तलत वहीद)

प्राचार्या

अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़